



भारत-न्यूज़ीलैंड संबंध: 'सामरिक भागीदारी' के साथ 2030 तक रोडमैप स्वीकृत

भारत एवं न्यूज़ीलैंड ने अपने संबंधों को 'सामरिक भागीदारी' (Strategic Partnership) के स्तर तक उन्नत करते हुए 2030 तक के व्यापार, रक्षा एवं हिंद-प्रशांत सहयोग हेतु एक विस्तृत रोडमैप स्वीकृत किया — यह प्रशांत क्षेत्र के किसी भी देश के साथ भारत की पहली सामरिक भागीदारी है।

प्रमुख परिणाम क्या हैं?

- ▶ ऐतिहासिक प्रथम: यह प्रशांत क्षेत्र के किसी भी देश के साथ भारत की पहली सामरिक भागीदारी है, जो हिंद-प्रशांत रणनीति में न्यूज़ीलैंड के बढ़ते महत्व को दर्शाती है।
- ▶ FTA क्रियान्वयन ढांचा: अप्रैल 2026 में हस्ताक्षरित भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (केवल 13 माह के रिकॉर्ड समय में पूर्ण) वस्तु, सेवा, निवेश, शिक्षा एवं पर्यटन क्षेत्रों में बाधाएं कम करेगा।
 - ⦿ यह किसी उन्नत प्रशांत अर्थव्यवस्था के साथ भारत का प्रथम मुक्त व्यापार समझौता है।
- ▶ व्यापार लक्ष्य: वार्षिक द्विपक्षीय वस्तु व्यापार को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित।
- ▶ रक्षा एवं हिंद-प्रशांत सहयोग: समुद्री सुरक्षा, रक्षा प्रशिक्षण एवं नियम-आधारित हिंद-प्रशांत व्यवस्था के प्रति साझा प्रतिबद्धता।

एक नज़र में

- FTA हस्ताक्षर: अप्रैल 2026 (13 माह में वार्ता पूर्ण)
- भागीदारी स्तर: सामरिक भागीदारी (प्रशांत क्षेत्र में प्रथम)
- लक्ष्य: द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करना
- रोडमैप अवधि: 2030 तक

मुंबई बाढ़ 2026 ने उजागर की शहरी बाढ़ प्रबंधन की संरचनात्मक खामियां

जुलाई 2026 में मुंबई में आई भीषण बाढ़ ने बदलती जलवायु के समक्ष भारत के प्रमुख शहरों की गहरी संवेदनशीलता तथा शहरी बाढ़ शमन तंत्र की व्यवस्थागत विफलताओं को उजागर किया।

शहरी बाढ़ की चुनौतियां

- ▶ अनियोजित शहरीकरण: प्राकृतिक जल निकासी मार्गों एवं आर्द्रभूमियों पर अतिक्रमण से वर्षा जल के प्राकृतिक अवशोषण की क्षमता घट गई है।
- ▶ अपर्याप्त एवं जर्जर अवसंरचना: पुरानी नालियां एवं सीवर प्रणाली आधुनिक वर्षा तीव्रता का भार वहन करने में असमर्थ हैं।
- ▶ जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: अल्प अवधि में अत्यंत तीव्र वर्षा (Cloudburst-type events) की घटनाओं में वृद्धि, जो पारंपरिक अवसंरचना डिज़ाइन मानकों से परे है।
- ▶ समन्वय की कमी: नगर निगम, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं विभिन्न उपयोगिता एजेंसियों के मध्य सीमित समन्वय।

आगे की राह

- ▶ 'स्पंज सिटी' अवधारणा: पारगम्य सतहों, शहरी आर्द्रभूमि पुनर्स्थापन एवं वर्षा जल संचयन के माध्यम से शहरों की जल-अवशोषण क्षमता बढ़ाना।
- ▶ अवसंरचना का आधुनिकीकरण: बदलते वर्षा पैटर्न के अनुरूप जल-निकासी क्षमता का पुनर्मूल्यांकन एवं उन्नयन आवश्यक।

दक्षिण चीन सागर: अमेरिका, ब्रिटेन सहित 14 देशों ने चीन के दावे खारिज किए

दक्षिण चीन सागर विवाद पर एक दशक पूर्व हुए ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पंचाट (International Arbitration) के पश्चात, अमेरिका, ब्रिटेन सहित कुल 14 देशों ने 2016 के हेग निर्णय की पुनः पुष्टि करते हुए चीन के क्षेत्रीय दावों को कानूनी रूप से निराधार बताया।

पृष्ठभूमि एवं महत्व

- 2016 हेग निर्णय: स्थायी पंचाट न्यायालय (PCA) ने फिलीपींस बनाम चीन मामले में चीन के 'नाइन-डैश लाइन' दावे को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून (UNCLOS) के विरुद्ध घोषित किया था।
- वर्तमान घोषणा: 14 देशों के इस संयुक्त वक्तव्य को नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था के समर्थन में एक सुदृढ़ बहुपक्षीय संदेश माना जा रहा है।
- भारत के लिए प्रासंगिकता: भारत नियमित रूप से नौवहन स्वतंत्रता एवं UNCLOS के प्रति समर्थन दोहराता रहा है, जो हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्वपूर्ण अंग है।

दक्षिण चीन सागर विवाद — त्वरित तथ्य

- पंचाट न्यायालय: स्थायी पंचाट न्यायालय (PCA), द हेग
- निर्णय वर्ष: 2016 (फिलीपींस बनाम चीन)
- विवादित दावा: चीन की 'नाइन-डैश लाइन'
- कानूनी आधार: संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS)

चीन का हीलियम निर्यात प्रतिबंध: एक सामरिक गैस की भू-राजनीति

चीन द्वारा हीलियम निर्यात पर लगाए गए नियंत्रण ने इस दुर्लभ गैस को अर्धचालक, अंतरिक्ष एवं स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु एक महत्वपूर्ण सामरिक संसाधन के रूप में वैश्विक चर्चा में ला दिया है।

हीलियम क्यों महत्वपूर्ण है?

- अर्धचालक विनिर्माण: चिप निर्माण की सफाई एवं शीतलन प्रक्रियाओं में अनिवार्य उपयोग।
- अंतरिक्ष क्षेत्र: रॉकेट ईंधन प्रणालियों में दाब सृजन (pressurization) हेतु उपयोग किया जाता है।
- स्वास्थ्य क्षेत्र: MRI मशीनों के सुपरकंडक्टिंग चुंबकों को अत्यंत निम्न तापमान पर ठंडा रखने हेतु आवश्यक।
- आपूर्ति संकेंद्रण: वैश्विक हीलियम आपूर्ति सीमित देशों (अमेरिका, कतर, अल्जीरिया एवं अब चीन के बढ़ते भंडार) में केंद्रित है, जिससे आपूर्ति शृंखला जोखिम बढ़ता है।

भारतीय न्यायपालिका में AI: CJI की सावधानी एवं मसौदा विनियम 2026

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने विवाद निपटान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग को लेकर सतर्कता का आह्वान किया, यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय द्वारा 3 जून 2026 को जारी 'न्यायालयों में AI उपयोग हेतु मसौदा विनियम, 2026' के मध्य आई है, जिस पर 15 जुलाई 2026 तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं।

मुख्य बिंदु

- CJI का दृष्टिकोण: AI साक्ष्य संकलन, अनुवाद प्रारूपण अथवा विवादों की प्राथमिकता तय करने में सहायता कर सकता है, परंतु जिस क्षण यह किसी एक पक्ष के अधिकारों को दूसरे के विरुद्ध तौलना प्रारंभ करता है, वह सहायता से आगे बढ़कर निर्णय लेने लगता है — यह भूमिका किसी एल्गोरिद्म ने अर्जित नहीं की है।
- AI मतिभ्रम (Hallucination) की चिंता: न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा (उच्चतम न्यायालय की AI समिति के अध्यक्ष) की पीठ ने एक प्रकरण में पाया कि किसी अधिकरण ने AI द्वारा गढ़े गए (पूर्णतः काल्पनिक) निर्णयों के आधार पर वास्तविक मामले का निपटारा किया, जिसके पश्चात मशीन-जनित विधिक सामग्री पर अंधाधुंध निर्भरता के प्रति 'शून्य-सहनशीलता' का आह्वान किया गया।
- मसौदा विनियम 2026: 3 जून 2026 को जारी, सार्वजनिक टिप्पणी हेतु समय-सीमा 15 जुलाई 2026 तक।

गगनयान मिशन: कू मॉड्यूल की तीन महत्वपूर्ण प्रणालियों का सफल परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान कू मॉड्यूल हेतु तीन प्रमुख योग्यता परीक्षण (Qualification Tests) सफलतापूर्वक पूर्ण किए, जो भारत के प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन की तैयारियों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाते हैं।

गगनयान मिशन: संदर्भ

- उद्देश्य: भारत के अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (400 किमी) में भेजकर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना।
- कू मॉड्यूल: वह भाग जिसमें अंतरिक्ष यात्री यात्रा के दौरान रहते हैं, इसकी प्रणालियों का सुरक्षा एवं विश्वसनीयता हेतु कठोर परीक्षण आवश्यक है।
- प्रस्तावित मानव उड़ान: 2027 में प्रस्तावित, इससे पूर्व मानवरहित परीक्षण मिशन संपन्न किए जा रहे हैं।

NAMASTE दिवस 2026: स्वच्छता कर्मियों के सम्मान में तीसरी वर्षगांठ

14 जुलाई 2026 को भारत तीसरे 'NAMASTE दिवस' का आयोजन कोलकाता में करेगा, जो राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारितंत्र हेतु कार्य योजना (NAMASTE) योजना के तीन वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है।

NAMASTE योजना: प्रमुख तथ्य

- शुभारंभ: जुलाई 2023 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (MoSJE) तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) द्वारा संयुक्त रूप से।
- उद्देश्य: मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में नियोजन का प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 का क्रियान्वयन, जो मैनुअल स्कैवेंजिंग को अवैध घोषित करता है।
- संवैधानिक आधार: अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन) एवं अनुच्छेद 46 (कमज़ोर वर्गों का संरक्षण)।
- कुल परिव्यय: ₹349.70 करोड़, जिसका लक्ष्य 2025-26 तक सभी 4,800+ शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) तक पहुंचना है।
- प्रगति (2026 तक): 89,000 से अधिक सीवर/सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSWs) का प्रोफाइलिंग एवं सत्यापन, लगभग 87,037 PPE किट वितरित तथा 76,000+ श्रमिक आयुष्मान भारत-PMJAY के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा से आच्छादित।
- विस्तारित कवरेज (2026): कचरा बीनने वालों (Waste Pickers) को भी योजना में शामिल किया गया, जिसमें लगभग 37,980 कचरा बीनने वालों का सत्यापन हुआ।

NAMASTE — त्वरित तथ्य

- शुभारंभ वर्ष: 2023 | तीसरी वर्षगांठ: 14 जुलाई 2026
- मंत्रालय: MoSJE एवं MoHUA (संयुक्त)
- स्थान (2026 समारोह): कोलकाता
- पूर्ववर्ती योजना: SRMS (मैनुअल स्कैवेंजर पुनर्वास हेतु स्वरोजगार योजना)

सार संक्षेप

सौरव गांगुली ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल

- पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को एडिनबर्ग में आयोजित ICC वार्षिक सम्मेलन के दौरान ICC हॉल ऑफ फेम में सम्मिलित किया गया।
- वे यह सम्मान प्राप्त करने वाले 12वें भारतीय बने।

स्काईरूट एयरोस्पेस का 'विक्रम-1' प्रक्षेपण विंडो प्रारंभ

- भारत के निजी क्षेत्र के पहले कक्षीय रॉकेट 'विक्रम-1' का प्रक्षेपण विंडो खुला।
- यह भारत की निजी अंतरिक्ष क्षेत्र क्षमता के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अहमदाबाद ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड — 1 घंटे में 3.61 लाख पौधरोपण

- अहमदाबाद ने एक घंटे में 3.61 लाख पौधे रोपकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया।
- यह उपलब्धि शहरी हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जन-भागीदारी पहल का प्रतीक है।

प्रसिद्ध पार्श्व गायिका एस. जानकी का निधन

- दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका एस. जानकी का निधन हुआ।
- उन्होंने अपने छह दशक से अधिक लंबे करियर में कई भारतीय भाषाओं में हज़ारों गीत गाए।

असम में राज्यव्यापी नशीली दवा निपटान अभियान

- असम पुलिस ने 12 जुलाई 2026 को नलबाड़ी जिले में राज्यव्यापी नशीली दवा निपटान अभियान की शुरुआत की।
- अभियान के अंतर्गत बड़ी मात्रा में जब्त मादक पदार्थों का विनाश किया गया।

GeM एवं TReDS मंचों को आपस में जोड़ने की योजना

- सरकार MSMEs को खरीद से चालान एवं वित्तपोषण तक निर्बाध रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाने हेतु सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) को TReDS मंच से जोड़ने की योजना बना रही है।
- यह कदम केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSEs) हेतु MSME चालानों का RBI-विनियमित TReDS मंचों के माध्यम से निपटान अनिवार्य करने की अधिसूचना (30 जून 2026) का अनुसरण करता है।

दुधवा टाइगर रिज़र्व में गैंडों की संख्या बढ़कर 53 हुई

- उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिज़र्व में चौथी गैंडा गणना (25-27 जून 2026) के पश्चात गैंडों की संख्या बढ़कर 53 हो गई।
- यह भारत के गैंडा संरक्षण प्रयासों की एक उत्साहजनक उपलब्धि है।

EIU वैश्विक जीवन-यापन सूचकांक 2026 में दिल्ली 120वें स्थान पर

- इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (EIU) के वैश्विक जीवन-यापन सूचकांक 2026 में दिल्ली भारत का सर्वोच्च रैंक वाला शहर रहा, जो वैश्विक स्तर पर 120वें स्थान पर है।
- पश्चिमी यूरोप विश्व का सर्वाधिक रहने योग्य क्षेत्र बना रहा; कोपेनहेगन (डेनमार्क) लगातार दूसरे वर्ष शीर्ष स्थान पर रहा।

Place in News — चीन (राजधानी: बीजिंग) (राजधानी: बीजिंग)

चीन का हीलियम निर्यात प्रतिबंध तथा दक्षिण चीन सागर में उसके क्षेत्रीय दावों की 14 देशों द्वारा अस्वीकृति के साथ चीन इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय समाचारों में छाया रहा।

राजनीतिक विशेषताएं

- स्थिति: पूर्वी एशिया में स्थित, विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों में से एक (भारत के पश्चात द्वितीय स्थान)।
- सीमावर्ती देश: भारत सहित 14 देशों के साथ भूमि सीमा साझा करता है — विश्व में सर्वाधिक।
- सीमावर्ती जल निकाय: पीत सागर, पूर्वी चीन सागर एवं दक्षिण चीन सागर (प्रशांत महासागर के भाग)।
- शासन प्रणाली: एकदलीय समाजवादी गणराज्य, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में।

भौगोलिक विशेषताएं

- प्रमुख पर्वत श्रृंखला: हिमालय (तिब्बत सीमा), तियानशान, कुनलुन पर्वत।
- सर्वोच्च शिखर: माउंट एवरेस्ट (चीन-नेपाल सीमा पर, उत्तरी ढलान चीन में)।
- प्रमुख नदियां: यांग्त्ज़ी (सबसे लंबी) एवं ह्वांगहो (पीली नदी)।
- विवादित समुद्री क्षेत्र: दक्षिण चीन सागर, जहां चीन अपने 'नाइन-डैश लाइन' दावे के माध्यम से विस्तृत क्षेत्रीय अधिकार का दावा करता है, जिसे 2016 के अंतरराष्ट्रीय पंचाट निर्णय ने अवैध घोषित किया।

